

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2010-2011

विश्वसनीय.
मैत्रीपूर्ण

**Faithful.
Friendly**



सिंडिकेटबैंक
SyndicateBank

भारत सरकार का उपक्रम A Govt. of India Undertaking



सिंडिकेटबैंक
SyndicateBank

भारत सरकार का उपक्रम A Govt. of India Undertaking

प्रधान कार्यालय: मणिपाल - 576 104
Head Office: Manipal - 576 104

विषय सूची CONTENTS

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2010 – 2011

	पृष्ठ Page		पृष्ठ Page
• अध्यक्ष का वक्तव्य Chairman's Statement	3	• नकदी प्रवाह विवरण Cash Flow Statement	135
• सूचना Notice	10	• समेकित तुलन-पत्र Consolidated Balance Sheet	137
• निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report	16	• सिंडबैंक सर्विसेज लिमिटेड SyndBank Services Limited	168
• नैगम अभिशासन पर रिपोर्ट Report on Corporate Governance	60	• ईसीएस संबंधी परिपत्र Circular regarding ECS	184
• बासेल - II प्रकटीकरण - मार्च 2011 Basel II Disclosures - March 2011	96	• प्रॉक्सी फार्म Proxy Form	187
• लेखा-परीक्षकों का प्रतिवेदन Auditors' Report	106	• फार्म 2बी Form 2B	189
• तुलन-पत्र Balance Sheet	108	• उपस्थिति पर्ची Attendance Slip	191
• लाभ व हानि लेखा P & L Account	109	• नैगम अभिशासन में पर्यावरण संरक्षण : बिना कागज के Green Initiative in Corporate Governance:	194
• लेखों की अनुसूचियाँ Schedules to Accounts	110	• लाभांश अधिदेश पत्र Dividend Mandate Form	195
• महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ Significant Accounting Policies	116	• शिकायत पंजीकरण फार्म Grievance Registration Form	197
• लेखा संबंधी टिप्पणियाँ Notes on Accounts	121	• ई.सी.एस. केन्द्रों की सूची List of E.C.S. Centres	198

निदेशक मंडल BOARD OF DIRECTORS

बसंत सेठ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Basant Seth
Chairman & Managing Director

वी के नागर, कार्यपालक निदेशक
रवि चटर्जी, कार्यपालक निदेशक
एच प्रदीप राव, निदेशक
ए एस राव, निदेशक
नरेन्द्र एल दवे, निदेशक
दिनकर एस पूजा, निदेशक
रमेश एल अडिगे, निदेशक
एम् भास्कर राव, निदेशक
एआर नागप्पन, निदेशक
भूपिन्दर सिंह सूरी, निदेशक

V K Nagar, Executive Director
Ravi Chatterjee, Executive Director
H Pradeep Rao, Director
A S Rao, Director
Narendra L Dave, Director
Dinkar S Punja, Director
Ramesh L Adige, Director
M Bhaskara Rao, Director
AR Nagappan, Director
Bhupinder Singh Suri, Director

लेखा-परीक्षक

मेसर्स एन सी मित्रा एण्ड कंपनी
मेसर्स प्रकाश चंद्र जैन एण्ड कंपनी
मेसर्स जैन एण्ड एसोसिएट्स
मेसर्स एस सोनी एसोसिएट्स
मेसर्स आर. वेन्दर गुप्ता एण्ड एसोसिएट्स
मेसर्स ठाकुर, वैद्यनाथ अय्यर एण्ड कंपनी

Auditors

M/s N C Mitra & Co.
M/s Prakash Chandra Jain & Co.
M/s Jain & Associates
M/s S Sonny Associates
M/s R. Vender Gupta & Associates
M/s Thakur, Vaidyanath Aiyar & Co

रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट

मेसर्स कार्वी कंप्यूटरशेयर (प्रा) लिमिटेड
यूनिट: सिंडिकेटबैंक
प्लॉट सं. 17 से 24
विठ्ठलराव नगर, माधापुर
हैदराबाद - 500 081
दूरभाष: 040 44655000 विस्तार: 116 या
040 44655116 (सीधा)
फैक्स: 040 23420814

Registrars & Share Transfer Agents

M/s Karvy Computershare (P) Ltd.
Unit: SyndicateBank
Plot No. 17 to 24
Vithalrao Nagar, Madhapur
Hyderabad - 500 081
Ph.: 040 44655000-Extn: 116 or
040 44655116 (D)
Fax: 040 23420814

अध्यक्ष का वक्तव्य

प्रिय शेयरधारकों,

आपके बैंक की इस बारहवीं वार्षिक आम बैठक में निदेशक मंडल की ओर से आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

राजकोषीय वर्ष 2010-11 के दौरान आपके बैंक के निष्पादन की विशिष्टताओं को प्रस्तुत करने से पहले मैं संक्षेप में आपके समक्ष इस वर्ष वैश्विक एवं देशी व्यापक आर्थिक परिदृश्य को प्रस्तुत करना चाहता हूँ क्योंकि इनका बैंक के निष्पादन पर जबर्दस्त असर पड़ता है।

विश्व की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में आई गिरावट के कारण इस वर्ष का वित्तीय वातावरण अत्यंत कठिनाई भरा रहा है। कई विकसित देशों के आधिपत्यवाले ऋणों में आई हलचल के कारण अर्थव्यवस्थाएं काफी सुस्त रही हैं। विश्व के विकास के मार्ग में व्याप्त अनिश्चितताओं से दीर्घावधिवाले निवेशों में बाधा पड़ी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आइ एम एफ) द्वारा प्रकाशित आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2010 में विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में 5.00 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और अनुमान है कि वर्ष 2011 में इसमें 4.4 प्रतिशत की कम दर से वृद्धि होगी।

उपर्युक्त के विपरीत, तुलनात्मक दृष्टि से उभरती हुई एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का निष्पादन बेहतर रहा है, जिसमें वर्ष 2010 के दौरान 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। फिर भी, अंतिम उत्पादन अंतराल तथा उच्च पूंजी के आगमन के कारण इन अर्थव्यवस्थाओं को बड़ा झटका लगा है। इन अर्थव्यवस्थाओं को उच्च पूंजी आगमन एवं अंतिम पूंजी अंतराल रूपी गंभीर समस्या से जूझना पड़ रहा है। इन अर्थव्यवस्थाओं में बाह्य बेशी बड़ी मात्रा में हैं, इन्हें एक तरफ मुद्रा स्फीति के दबावों के कारण विनिमय दर अधिमूल्यन को संभालने में समस्या आ रही है, वहीं दूसरी तरफ, ऋण की धीमी माँग को उठाने की भी समस्या है।

भारतीय अर्थव्यवस्था निरंतर प्रगति के उच्च पथ पर अग्रसर है। इसने वर्ष 2010-11 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, इसका कारण आर्थिक गतिविधियों में तेजी तथा कृषि और अनुषंगी क्षेत्रों में जबर्दस्त विस्तार है। वर्ष 2010-11 के दौरान कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों में क्रमशः 5.4 प्रतिशत, 8.2 प्रतिशत एवं 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि वर्ष 2009-10 के दौरान यह वृद्धि क्रमशः 0.4 प्रतिशत, 8.3 प्रतिशत एवं 9.7 प्रतिशत की ही हुई थी। पूरे वर्ष 2010 के दौरान, कड़ी चलनिधि का असर औसत एक दिन के उधार दरों पर बरकरार रहा है, पर, अब धीरे-धीरे मुद्रा बाजार सामान्य पटरी पर आने लगा है। नीति निर्माताओं के लिए मुद्रास्फीति अभी भी बहुत बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है।

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमा राशियों में वर्षानुवर्ष की दृष्टि से वर्ष के दौरान (25 मार्च 2011 तक) 15.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो बढ़कर ₹ 52,04,703 करोड़ हो गई है। दूसरी तरफ, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के बकाया ऋणों में 21.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 25 मार्च 2011 तक बढ़कर ₹ 39,38,659 करोड़ हो गई है। वर्ष के दौरान (25 मार्च 2011 तक) मुद्रा आपूर्ति में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वर्ष 2009-10 के दौरान 17.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में 8.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि पिछले राजकोषीय वर्ष में यह वृद्धि 18.7 प्रतिशत की थी।

CHAIRMAN'S STATEMENT

Dear Shareholders,

It is my proud privilege to welcome all of you on behalf of the Board of Directors to this the Twelfth Annual General Meeting of your Bank.

Before I present the highlights of your Bank's performance during the Fiscal Year 2010-11, it would not be out of place to share with you briefly the details of the macro-economic environment—global as well as domestic—that prevailed during the year as this had a strong bearing on the Bank's performance.

The year was marked by a fairly tough financial environment due to slowdown in some of the major economies of the world. The economic activities in many developed countries remained sluggish due to sovereign debt turmoil. The lingering uncertainties around global growth hampered long-term investment prospects. As per the data released by International Monetary Fund (IMF), World GDP grew by 5.0 per cent in 2010 and is projected to grow at a lower rate of 4.4 per cent in 2011.

In contrast, emerging and developing market economies performed comparatively well by registering growth of 7.3 per cent during 2010, but they suffered from the problem of overheating in the face of closing output gap and high capital inflows. As these economies built up large external surpluses, managing exchange rate appreciation was a critical challenge due to the conflicting demands of reining in inflationary pressures, on the one hand and reviving the subdued credit demand, on the other.

India's economy continued on its high growth trajectory, by registering GDP growth at 8.6 per cent in 2010-11, on the back of spurt in economic activities and robust expansion in agriculture and allied sectors. Agriculture, Industry and Services sectors grew by 5.4%, 8.2 per cent and 9.4 percent respectively in 2010-11 as against 0.4%, 8.3 percent and 9.7 per cent recorded in 2009-10. Tight liquidity conditions continued to drive average overnight borrowing rates throughout the year 2010, but of late, the money market is slowly and steadily getting back to normalcy. Inflation continued to remain a major concern for the policy makers.

Aggregate deposits of SCBs grew y-o-y by 15.8 per cent to ₹ 52,04,703 crore during the year (Up to March 25, 2011). On the other hand, outstanding credit of SCBs swelled by 21.4 per cent to ₹ 39,38,659 crore as at March 25, 2011. Money supply grew by 16.0 per cent during the year (Up to March 25, 2011) as against 17.1 per cent registered during 2009-10. Scheduled Commercial Banks' (SCB) investments in government and other approved securities registered a growth of 8.3 per cent as against 18.7 percent in the previous fiscal.

बैंक के निष्पादन की विशिष्टताएँ निम्नलिखित हैं:

वर्ष 2010-11 के दौरान बैंक का वित्तीय निष्पादन

- क) वैश्विक कारोबार में 17.01 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो 2009-10 के ₹ 2,08,476 करोड़ से बढ़कर 2010-11 में ₹ 2,43,946 करोड़ हो गया। वर्ष 2010-11 के दौरान जमा राशियाँ 15.87 प्रतिशत बढ़ी हैं और वे ₹ 1,35,596 करोड़ हो गई हैं जबकि अग्रिमों में 18.48 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है और वे ₹ 1,08,350 करोड़ हो गई हैं।
- ख) प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में वर्ष 2010-11 के दौरान 11.92 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो समायोजित निवल बैंक ऋण का 46.22 प्रतिशत बनाता है जबकि अनिवार्य आवश्यकता 40 प्रतिशत की ही है। कृषि को दिए गए ऋण में 12.26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो समायोजित निवल बैंक का 18.62 प्रतिशत हिस्सा है जबकि अनिवार्य आवश्यकता 18 प्रतिशत की है।
- ग) कुल आय में वर्ष 2010-11 के दौरान 10.27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो 2009-10 के ₹ 11,214.64 करोड़ से बढ़कर ₹ 12,365.98 करोड़ हो गयी है।
- घ) बैंक के परिचालन लाभ में 46.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो वर्ष 2010-11 के दौरान बढ़कर ₹ 2,750 करोड़ हो गई है। वर्ष 2009-10 के दौरान यह ₹ 1,873 करोड़ थी। निवल लाभ में वर्ष 2010-11 के दौरान 28.91 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो ₹ 1,048 करोड़ हो गई है जबकि वर्ष 2009-10 के दौरान ₹ 813 करोड़ थी।
- ङ) वर्ष 2010-11 के दौरान बैंक ने ₹ 902.06 करोड़ की वसूली की है। 2010-11 के अंत में सकल अनर्जक आस्तियाँ ₹ 2,598.97 करोड़ थी जो कुल अग्रिमों का 2.40 प्रतिशत हैं।
- च) वर्ष 2010-11 के दौरान निवल अनर्जक आस्तियाँ निवल अग्रिमों का 0.97 प्रतिशत थी जबकि वर्ष 2009-10 के दौरान इनकी प्रतिशतता 1.07 प्रतिशत थी।
- छ) वित्तीय वर्ष 2010-11 के अंत में बैंक का ऋण जमा अनुपात 79.91 प्रतिशत था जबकि पिछले वर्ष यह 78.15 प्रतिशत था।
- ज) प्रोविजन कवरेज अनुपात 31-03-2010 के 73.31 प्रतिशत की तुलना में सुधरकर 31-03-2011 को 77.18 प्रतिशत हो गया है।
- झ) प्रति शेयर बही मूल्य पिछले वर्ष के ₹ 107.80 से बढ़कर इस वर्ष ₹ 122.99 हो गया है।
- ञ) बैंक ने बासल II का अनुपालन किया है। ऋण से जोखिम भारित आस्तियों का अनुपात 31-03-2010 के 12.70 प्रतिशत की तुलना में 31-03-2011 को 13.04 प्रतिशत हो गया है।
- ट) बैंक के निवल ब्याज आय में पर्याप्त वृद्धि हुई है जो 2009-10 के ₹ 2740 करोड़ से बढ़कर 2010-11 में ₹ 4383 करोड़ हो गई है।
- ठ) बैंक की निवल ब्याज मार्जिन (निम) में सुधार हुआ है जो 31-3-2010 के 2.35 प्रतिशत की तुलना में 31-3-2011 को 3.40 प्रतिशत हो गई है।
- ड) बैंक के आस्तियों के प्रतिलाभ में सुधार हुआ है जो 2009-10 के 0.62 प्रतिशत से बढ़कर 2010-11 को 0.76 प्रतिशत हो गया है।
- ढ) बैंक की निवल मालियत (पुनर्मूल्यन आरक्षित को छोड़कर) 31 मार्च, 2010 के ₹ 5,222.86 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च 2011 को ₹ 6,656.94 करोड़ हो गई है।
- ण) बोर्ड ने 31 मार्च 2010-11 के लिए 37 प्रतिशत लाभांश प्रदान करने की संस्तुति की है।

शाखा जाल

31-3-2011 की स्थिति के अनुसार बैंक के कुल शाखाओं की संख्या 2494 (लंदन शाखा को शामिल करके) है। देशी शाखाओं में से 803 ग्रामीण, 589 अर्धशहरी, 551 शहरी और 550 मेट्रो तथा पोर्ट टाउन शाखाएं हैं।

The financial highlights of the Bank's performance are outlined below:

FINANCIAL PERFORMANCE DURING 2010-11

- a. Global Business grew by 17.01 per cent from ₹ 2,08,476 crore in 2009-10 to ₹ 2,43,946 crore in 2010-11. Deposits grew by 15.87 per cent to ₹ 1,35,596 crore whereas advances registered a growth of 18.48 per cent to ₹ 1,08,350 crore during the year 2010-11.
- b. Priority Sector Advances registered a growth of 11.92 per cent during 2010-11 and constituted 46.22 per cent of the Adjusted Net Bank Credit against the mandatory requirement of 40 per cent. Credit to Agriculture increased by 12.26 per cent and constituted 18.62 per cent of Adjusted Net Bank Credit (ANBC) as against the mandatory requirement of 18 per cent.
- c. Total income rose to ₹ 12,365.98 crore in 2010-11 from ₹ 11,214.64 crore in 2009-10 registering a growth of 10.27 per cent.
- d. Operating Profit of the Bank grew by 46.82 per cent to ₹ 2,750 crore in 2010-11 up from ₹ 1,873 crore in 2009-10. Net Profit, grew by 28.91 per cent to ₹ 1,048 crore in 2010-11 up from ₹ 813 crore for 2009-10.
- e. The Bank made a recovery of ₹ 902.06 crore under NPA during 2010-11. The Gross NPA stood at ₹ 2,598.97 crore as at the end of the year 2010-11 which was 2.40 per cent of the Gross advances.
- f. The Net NPA constituted 0.97 per cent of the net advances at the end of the financial year 2010-11, as against 1.07 per cent in 2009-10.
- g. The Credit Deposit (CD) ratio of the Bank at the end of the financial year 2010-11 stood at 79.91 per cent as against 78.15 per cent for the previous year.
- h. Provision Coverage Ratio improved from 73.31 per cent as at 31-03-2010 to 77.18 per cent as at 31-03-2011.
- i. Book value per share improved to ₹ 122.99 from ₹ 107.80 last year.
- j. The Bank is Basel II compliant. The Credit to Risk-Weighted Assets Ratio (CRAR) was 13.04 per cent as at 31-03-2011, compared to 12.70 per cent as at 31-03-2010.
- k. Net interest income (NII) of the Bank improved from ₹ 2740 crore in 2009-10 to ₹ 4383 crore in 2010-11.
- l. The Bank's Net Interest Margin (NIM) improved to 3.40 per cent as at 31.03.2011 from 2.35 per cent as at 31.03.2010.
- m. The Bank's Return on Assets (ROA) improved from 0.62 per cent in 2009-10 to 0.76 per cent in 2010-11.
- n. The Net Worth of the Bank (excluding revaluation reserves) increased to ₹ 6,656.94 crore as at March 31, 2011 compared to ₹ 5,222.86 crore as at March 31, 2010.
- o. The Board of Directors have recommended a dividend of 37 per cent for the year ended 31st March 2010-11.

BRANCH NETWORK

The total network of branches stood at 2494 branches (including London Branch) as at 31.03.2011. The domestic branch network consisted of 803 Rural, 589 Semi urban, 551 urban and 550 metro & port town branches. Out of the total network of branches 708 branches are in

कुल शाखाओं में से 708 शाखाएं कम बैंकवाले जिलों में और 670 शाखाएं अल्पसंख्यक बाहुल्य जिलों में हैं।

वर्ष 2010-11 के दौरान 188 सामान्य बैंकिंग शाखाएं खोली गईं। इनमें से 154 शाखाएं टियर 3 – 6 केन्द्रों में हैं जिनमें से 131 शाखाएं भारत सरकार के वित्तीय समावेशन कार्यक्रम के तहत खोली गईं।

उपर्युक्त खोली गईं नई शाखाओं में से 76 शाखाएं कम बैंकवाले जिलों में और 36 शाखाएं अल्पसंख्यक बाहुल्य जिलों में खोली गईं। सभी देशी शाखाएं सी बी एस नेटवर्क से जुड़ी हैं।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम

बैंक का प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम 31 मार्च 2010 के ₹ 32,713 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च 2011 को ₹ 36,611.26 करोड़ हो गया है। इसका हिस्सा समायोजित निवल बैंक ऋण (ए.एन.बी.सी.) का 46.22 प्रतिशत बनता है जबकि अनिवार्य स्तर 40 प्रतिशत का ही है। बैंक सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न गरीबी उन्मूलन योजनाओं तथा अन्य रोजगार सृजन योजनाओं में सतत आधार पर भागीदारी कर रहा है। प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत अनु. जा./अनु. ज. जा. को दिए गए अग्रिम में वृद्धि हुई है, जो 31-3-2010 के ₹ 1407.81 करोड़ से बढ़कर 31-3-2011 को ₹ 1,957.84 करोड़ हो गया है और इसमें 39.07 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। अल्पसंख्यक समुदायों को दिए अग्रिम में वृद्धि हुई है, जो 31-3-2010 के ₹ 4399.14 करोड़ से बढ़कर 31-3-2011 को ₹ 5,569.30 करोड़ हो गया है और इस क्षेत्र में 26.60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

व्यष्टि वित्त (माइक्रोफाइनेंस)

माइक्रो ऋण में वृद्धि हेतु बैंक निरंतर प्रयत्नशील है, फिलहाल, बैंक ने 205979 स्वयं सहायता समूहों को मार्च 2011 तक ₹ 2,165.43 करोड़ के ऋण उपलब्ध कराए हैं। कुल स्वयं सहायता समूहों में से महिला समूहों की संख्या 182359 है और कुल ऋण निवेश ₹ 1,868.10 करोड़ है।

शिक्षा ऋण

समाज के आर्थिक दृष्टि से कमजोर एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को भारत में तकनीकी/प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में अध्ययन पूरा करने के लिए आपके बैंक ने भारतीय बैंक संघ द्वारा निरूपित मॉडल शिक्षा ऋण योजना को कार्यान्वित किया है जिसमें आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण के मामले में अधिस्थगन अवधि के दौरान सब्सिडी प्रदान करने की व्यवस्था है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति संवर्ग के सभी विद्यार्थी लागू ब्याज दर से 0.50 प्रतिशत रियायत के लिए पात्र हैं। सभी छात्राएं लागू ब्याज दर से 0.50 प्रतिशत रियायत के लिए पात्र हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति की छात्राएं लागू ब्याज दर से पुनः 0.25 प्रतिशत रियायत प्राप्त करने के लिए पात्र हैं।

वित्तीय समावेशन पहल

मार्च 2012 से पहले तक वित्तीय समावेशन कार्यक्रम को पूरा करने के लिए बैंक को ऐसे 1493 गांवों का आबंटन किया गया है, जिनकी जनसंख्या 2000 या उससे अधिक है। 31-3-2011 तक बैंक ने 135 गांवों में शाखा जाल के द्वारा तथा 615 गांवों में कारोबार प्रतिनिधि/ग्राहक सेवा प्रदाताओं के माध्यम से इस कार्यक्रम को पूरा किया है। बैंक को वित्तीय समावेशन पहल के लिए जो गांव आबंटित किए गए हैं उसमें उसने 31-3-2011 तक 3,72,740 सादा खाते खोले हैं तथा 24,000 से अधिक स्मार्ट कार्डों का वितरण किया है।

underbanked districts and 670 branches are in minority concentration districts.

During the year 2010-11, 188 General Banking branches were opened. Out of these, 154 branches were located in Tier 3-6 centres including 131 branches opened under the Financial Inclusion programme of the Govt. of India.

Out of the new branches opened as above, 76 Branches are in under-banked Districts and 36 Branches are in Minority Concentration Districts.

All the domestic branches are networked under CBS.

PRIORITY SECTOR ADVANCES

Priority Sector Advances of the Bank rose from ₹ 32,713 crore as at the end of March, 2010 to ₹ 36,611.26 crore as at the end of March, 2011 constituting 46.22 per cent of Adjusted Net Bank Credit (ANBC) against the mandatory level of 40 per cent. The Bank continued to participate in implementing the various poverty alleviation and employment generation schemes sponsored by the Government. The Advances to SC/ST beneficiaries under Priority Sector, rose from ₹1407.81 crore as at the end of March 2010 to ₹ 1,957.84 crore as at the end of March 2011, registering a growth of 39.07 per cent. Advances to Minorities rose from ₹4399.14 crore as at the end of March, 2010 to ₹ 5,569.30 crore as at the end of March 2011, registering a growth of 26.60 per cent.

MICROFINANCE

In its endeavour to increase the flow of micro credit, the Bank has so far credit linked 205979 SHGs with a credit exposure of ₹ 2,165.43 crore as at the end of March, 2011. Of the total SHGs, women groups numbered 182359 and accounted for credit exposure of ₹ 1,868.10 crore.

EDUCATION LOAN

In order to support meritorious students from Economically Weaker Sections of the society, your Bank is implementing the Model Education Loan Scheme formulated by Indian Banks' Association (IBA) and providing Interest Subsidy for the period of moratorium on education loans taken by students from Economically Weaker Sections for pursuing technical/professional courses in India. All students belonging to SC/ST Category are eligible for concession of 0.50 per cent on the applicable interest rate. All girl students are eligible for concession of 0.50 per cent on the applicable interest rate. Girl students under SC/ST category are eligible for a further concession of 0.25 per cent on the applicable interest rate.

FINANCIAL INCLUSION INITIATIVES

The Bank has been allotted 1493 villages having a population of 2000 and above for implementation of Financial Inclusion programme before March 2012. As on 31.03.2011 the Bank has covered 750 villages by opening Brick & Mortar branches in 135 villages and 615 villages by engaging Business Correspondents/Customer Service Providers. The Bank has opened 3,72,740 no-frill accounts in allotted FI villages and distributed over 24,000 smart cards as at 31.03.2011.

क्रेडिट कार्ड कारोबार

वीसा इंटरनेशनल के सहयोग से बैंक गोल्ड एवं क्लासिक कार्ड प्रदान करता है, जिनका उपयोग ए.टी.एम., बिक्री टर्मिनल केंद्रों, इंटरनेट, आइ.वी.आर., और मेल आर्डर के लिए किया जा सकता है। ये कार्ड विश्व भर में वैध हैं तथा पूरे विश्व में कहीं भी उनका उपयोग किया जा सकता है। बैंक ने 11-02-2011 से एकबारगी पासवर्ड (ओ.टी.पी.) की शुरुआत की है। यह एक अतिरिक्त सुरक्षा का रूप है जिसे भारतीय रिजर्व बैंक ने अनिवार्य किया है, इसमें कार्डधारक को टेलीफोन/मोबाइल के माध्यम से आइ.वी.आर. लेन-देन करने के लिए एकबारगी आठ अंकों का पासवर्ड जेनरेट करने की सुविधा उपलब्ध है। बैंक ने 31-03-2011 तक 70957 क्रेडिट कार्ड तथा 52.64 लाख डेबिट कार्ड निर्गत किए हैं।

ग्राहक सेवा पहल

बैंक की मान्यता है कि लाभप्रद बैंकिंग कारोबार के लिए ग्राहक संतुष्टि ही आधारशिला है। आपके बैंक ने ग्राहकों की शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए कई स्थानों पर पूर्ण सुविधायुक्त तुरन्त शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना की है। ग्राहक सेवा के महत्व को हर स्तर पर अंगीकार किया जाए इसे सुनिश्चित करने के लिए बैंक ने शिकायतों की संख्या और औसत रूप से उनके निवारण हेतु लगाए गए समय के आधार पर हर तिमाही क्षेत्रीय कार्यालयों के दर-निर्धारण की पद्धति को अपनाया है। आपके बैंक ने जमा, ग्राहक शिकायतों के निवारण, चेक वसूली और सेवा में हुई कमी के लिए क्षतिपूर्ति के संबंध में बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति को अपनाया है। ये सभी ग्राहकों की सूचना के लिए बैंक की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किए गए हैं।

मानव संसाधन नीति

बैंक ने एक व्यापक और समेकित जनशक्ति योजना तैयार की है ताकि शाखाओं/कार्यालयों के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। वर्ष 2010-11 के दौरान बैंक ने परीक्षाधीन अधिकारियों, विशेषज्ञ अधिकारियों, परीक्षाधीन लिपिकों तथा अधीनस्थ कर्मचारियों की भर्ती की है। बैंक ने वर्ष के दौरान स्टॉफ सदस्यों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं का चयन किया है जिसमें कुछ चयनित वर्तमान की योजनाओं में मौद्रिक वृद्धि भी शामिल हैं। बैंक में औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण बना रहा और इससे स्वस्थ कामकाजी माहौल को बल मिला। यूनियनों/एसोसिएशनों का व्यवहार अनुकूल और सकारात्मक रहा तथा उन्होंने बैंक की प्रगति तथा समृद्धि के लिए उठाए गए कदमों के अबाधित रूप से समर्थन प्रदान किया।

प्रशिक्षण एवं विकास

मानव पूंजी की संभाव्यताओं को साकार करने के लिए बैंक ने प्रशिक्षण और विकास की एक प्रगतिशील प्रणाली संरचित की है। यह कर्मचारी के व्यक्तित्व के अंदर अंतर्निहित संभाव्यताओं को विकसित करने पर जोर देती है तथा उनके कौशल को निरंतर आधार पर निखारती रहती है ताकि वे तीव्र गति से वृद्धिशील एवं जटिल कारोबारी मॉडल की जरूरतों का सामना करने के लिए स्वयं को उसके अनुरूप ढाल सकें। कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं विकास पर किए गए निवेश से कर्मचारियों को बैंक के बढ़े हुए कारोबार और नई चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वयं को तैयार करने में मदद मिली है। बैंक ने देशभर के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रभावशाली ढंग से वीडियो कॉन्फरेन्सिंग तथा ई-लर्निंग जैसे रियायती माध्यमों का उपयोग किया है।

वर्ष 2010-11 के दौरान प्रशिक्षण प्रणाली के माध्यम से बैंक ने अधिकारियों के लिए 255 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिन से 6139 अधिकारी तथा कामगार कर्मचारियों के लिए आयोजित 294 प्रशिक्षण कार्यक्रमों से 7678 कामगार कर्मचारी लाभान्वित हुए।

CREDIT CARD BUSINESS

The Bank in association with VISA International, offers Gold and Classic Credit Cards, which can be used at ATMs, Point of Sale terminals, Internet, IVR and for Mail Orders. The cards are valid globally and can be used throughout the world. The Bank introduced One Time Password (OTP), with effect from 11-02-2011. It is an additional security feature made mandatory by Reserve Bank of India, which enables the cardholder to generate the 8 digit One Time Password for doing IVR transactions through telephone / mobile. The Bank has issued 70957 Credit Cards and 52.64 lakh debit cards up to 31-03-2011.

CUSTOMER SERVICE INITIATIVES

The Bank believes that customer satisfaction is the cornerstone of profitable banking operations. Your Bank has a full-fledged grievance redressal mechanism operating at various levels for prompt redressal of customer complaints. In order to ensure that customer service becomes the driving force at all levels, the Bank has put in place a system of quarterly rating of Regions on the basis of number of complaints and average grievance redressal time. Your Bank also has Board approved policies on Deposits, Cheque Collection, Compensation payable for deficiencies in service etc. These are also displayed on the Bank's website for the information of the customers.

HR POLICIES

The Bank has drawn up a comprehensive and integrated Manpower plan to provide optimum staff at the Branches/ Offices. During the year 2010-11, the Bank has recruited Probationary Officers, Specialist Officers, Probationary Clerks and Sub-staff. The Bank has introduced several new staff welfare measures during the year besides enhancing the monetary ceiling under select existing schemes. The Industrial Relations in the Bank have been cordial and harmonious, fostering a healthy work environment. The Unions / Associations have been responsive and proactive and they have extended unstinted support for the measures aimed at the progress and prosperity of the Bank.

TRAINING AND DEVELOPMENT

Realizing the potentialities of human capital, the Bank has designed a progressive system of training and development. It emphasizes on developing individual potential of employees and harnessing their skills on continuous basis to meet the requirement of rapidly growing and complex business models. Investment in employees' training and development has enabled the Bank to improve the preparedness of the staff members to handle increased or new challenges. The Bank is, also, effectively using video conferencing and e-learning system as cost effective methods for imparting training to its employees across the country.

During the year, 2010-11, 255 programmes covering 6139 Officers and 294 programmes covering 7678 workmen employees were conducted by the Training System.

जोखिम प्रबंधन

जोखिम प्रबंधन बैंकों और वित्तीय संस्थानों के परिचालन का अभिन्न अंग है। जोखिम विश्लेषण से विभिन्न जोखिम घटकों जैसे, ऋण जोखिम, बाज़ार जोखिम और परिचालन जोखिम में निहित वित्तीय निर्णयों में संगठन की दृष्टि से सुरक्षा और सुस्थिति की पहचान तथा गणना करना सुसाध्य हो जाता है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, आपके बैंक ने अच्छी तरह से संरचित समुचित जोखिम प्रबंधन प्रणाली बनाई है। बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति एक शीर्षस्थ समिति है जो संस्था की जोखिम प्रवृत्ति को परिभाषित करती है और बैंक के जोखिम प्रबंधन ढाँचे के निर्माण का कार्य सुनिश्चित करती है। यह बैंक की जोखिम प्रवृत्ति तथा आत्मसात्करण क्षमता को ध्यान में रखते हुए विवेकपूर्ण जोखिम नीतियों का निर्माण करती है। गत्यात्मक वित्तीय वातावरण और विनियामक के परिवर्तनशील नीतिगत ढाँचे को ध्यान में रखते हुए बैंक अपनी जोखिम प्रबंधन प्रणाली को नियमित आधार पर स्तरोन्नत और कौशल युक्त करता जा रहा है।

आस्ति देयता प्रबंधन

आस्ति देयता प्रबंधन एक ऐसा साधन है जिसके माध्यम से बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा सामना की जानेवाली ब्याज दर जोखिम और चलनिधि जोखिम का प्रबंधन किया जाता है। अल्प लागत वाली निधियों की कम होती जा रही उपलब्धता के कारण देयता प्रबंधन की ओर प्रबंधन सबसे अधिक ध्यान केन्द्रित कर रहा है। आपके बैंक की आस्ति देयता प्रबंधन समिति में शीर्ष प्रबंधन के कार्यपालक सदस्य हैं जो चलनिधि जोखिम, ब्याज दर जोखिम, अंतर/बेमेल जोखिम, आधार जोखिम, जोखिमों का पुनर्मूल्यनिर्धारण, विदेशी विनिमय जोखिम, ईक्विटी मूल्य जोखिम के प्रबंधन के लिए नियमित रूप से बैठकें करते हैं। बैंक के पास किसी भी प्रकार की आकस्मिकताओं से निपटने के लिए पूर्ण प्रलेखित आकस्मिकता नकदी निधीयन योजना है। बैंक अपनी आस्ति-देयता प्रबंधन प्रणाली को बाज़ार में हो रहे विकास तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दिए गए निदेशों के आलोक में स्तरोन्नत करने की प्रक्रिया में संलग्न है।

अत्यंत महत्वपूर्ण पहल

बैंक ने वित्तीय समावेशन से संबंधित अपने ग्राहकों के लिए टाटा ए आइ जी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के साथ गठजोड़ व्यवस्था करके माइक्रो बीमा उत्पाद का शुभारंभ किया है। इस उत्पाद के तहत नाममात्र का प्रीमियम लेकर ग्राहक की स्वाभाविक या दुर्घटना के कारण हुई मृत्यु, दोनों ही मामलों में बीमा सुरक्षा प्रदान की गई है।

मेसर्स सी सी एवेन्यू और बिलडेस्क के साथ पेमेंट गेटवे सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया है। पेमेंट गेटवे के माध्यम से हमारे ग्राहकों को यह सुविधा मिली है कि वे इंटरनेट बैंकिंग के द्वारा विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं का भुगतान ऑन लाइन कर सकते हैं।

बैंक ने मेसर्स पेमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से मोबाइल बैंकिंग समाधान को कार्यान्वित किया है, इससे मोबाइल भुगतान और एम-कॉमर्स सुविधा प्राप्त होगी।

बैंक ने विजया बैंक के साथ मिलकर संयुक्त रूप से वित्तीय शिक्षण और ऋण परामर्श केन्द्र की स्थापना की है। मंगलूर, उडुपि तथा कुमटा (कारवार जिला) में स्थापित इन केन्द्रों ने कार्य करना भी आरंभ कर दिया है। अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए बैंक द्वारा प्रारंभ की गई कई पहलों में से ये कुछ महत्वपूर्ण पहल हैं, जिन्हें हाल के महीनों में बैंक ने उठाया है।

RISK MANAGEMENT

Risk Management is an integral part of operation of banks and FIs. Risk analysis helps in identifying and measuring various risk components viz. credit risk, market risk and operational risk inherent in financial decision making for safety and soundness of the organisation. Keeping in view the above, your Bank has put in place well structured and appropriate risk management system. Risk Management Committee (RMC) of the Board is the Apex Committee defining institution's risk appetite and ensures that the bank's risk management framework includes detailed policies that set specific prudential limits on the Bank's activities consistent with its risk appetite and absorption capacity. The Bank has been continuously upgrading and fine tuning its risk management systems in accordance with the dynamic financial environment and changing policy framework of the regulator.

ASSET LIABILITY MANAGEMENT

Asset-liability management is a strategic management tool to manage interest rate risk and liquidity risk faced by banks and FIs. With the declining availability of low cost funds, liability management has become the focus of bank management efforts. Your Bank's Asset Liability Management comprises of members of the top management who regularly meet to manage Liquidity Risk, Interest Rate Risk, Gap/Mis-match Risk, Basis Risk, Repricing Risk, Forex Risk and Equity Price Risk. The Bank has a well-documented Contingency Liquidity Funding Plan for managing any contingency. The Bank is also in the process of upgrading the ALM system in line with the market developments and RBI directives.

KEY STRATEGIC INITIATIVES

The Bank has launched a micro-insurance product for its 'Financial Inclusion' customers under a tie-up arrangement with Tata AIG Life Insurance Company. Under this product, the customer is insured against both natural death and accidental death for a nominal premium.

Payment Gateway with M/s CCAvenue and with BillDesk has been successfully implemented. The payment gateway enables our customers to make payment for various products and services on-line via Internet banking.

The Bank has implemented Mobile Banking Solution through M/s Paymate India Pvt Ltd. for providing Mobile Payments and m-Commerce facilities.

The Bank has formed a TRUST jointly with Vijaya Bank for establishing Financial Literacy and Credit Counselling Centres. Already, three such centres have started functioning in Mangalore, Udupi and Kumta (Karwar District). These are just a few of the initiatives taken by the Bank in recent months to fulfill the expectations of our customers.

पुरस्कार और सम्मान

वर्ष के दौरान माइक्रो उद्यम के क्षेत्र में उधार देने के मामले में उत्कृष्ट निष्पादन हेतु बैंक को भारत की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

आंध्र प्रगति ग्रामीण बैंक (प्रायोजक सिंडिकेट बैंक) को आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को वित्तीयन के मामले में राज्य में उत्कृष्ट बैंक के रूप में चयनित किया गया।

नैगम सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर)

अपनी नैगम सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में बैंक ने ऐसे कार्यकलापों को अपनाया है, जिनका उद्देश्य आर्थिक कार्यालय और पददलितों का उन्नयन है। बैंक ने विभिन्न सामाजिक कार्यों के लिए उदारतापूर्वक निधियाँ प्रदान की हैं। उदाहरण के लिए, सेवारत पुलिस कर्मियों और उनके परिवार का कल्याण, गरीब लोगों और उनके बच्चों को चिकित्सा सुविधाएं, नाममात्र का शुल्क लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को स्तरीय शिक्षा प्रदान करना, शारीरिक दृष्टि से अपंग व्यक्तियों को कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण/कैलिपर्स/व्हीलचेयर्स प्रदान करना, जनजातीय लोगों के लिए लाभप्रद रोजगार उपलब्ध कराना तथा आम लोगों के लिए स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना आदि शामिल हैं।

अगली मंज़िल

आगे का रास्ता गंभीर चुनौतियों से भरपूर है। ये गंभीर चुनौतियाँ वर्तमान के सहयोगियों और भविष्य में इस क्षेत्र में प्रवेश करनेवाली संस्थाओं, दोनों से ही है। आपका बैंक इन चुनौतियों का जोरदार ढंग से मुकाबला करने के लिए पूरी तरह से तैयार है और वह आनेवाले समय में दम-खम के साथ आगे बढ़ता जाएगा। बैंक ने वर्ष 2011-12 के लिए उद्योग की प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए अपने कारोबारी लक्ष्य का निर्धारण किया है। कासा से बैंक का आधार मजबूत होता है, इसे ध्यान में रखते हुए बैंक ने इस क्षेत्र में 15 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रखा है। बैंक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को उधार देने के मामले में सतत अग्रगामी की भूमिका निभाता रहेगा। देश में समावेशी विकास के लिए बैंक प्रतिबद्ध है। इसे ध्यान में रखते हुए बैंक ने 2011-12 के दौरान वित्तीय समावेशन के अंतर्गत बहुत संख्या में वित्तीय समावेशन खातों को खोलने का निर्णय लिया है। हमारे बैंक का सुविस्तृत शाखा जाल, ग्रामीण क्षेत्रों में उपस्थिति, उन्नत प्रौद्योगिकी समाधान और दमदार सेवाएं ऐसी ताकत हैं जो आनेवाले समय में हमारे ग्राहकों के लिए विश्वसनीय एवं मैत्रीपूर्ण वित्तीय भागीदार बनने की दिशा में पूर्णरूपेण सहयोगी बनेंगी।

आभार

मैं इस अवसर पर निदेशक मंडल के सदस्यों, भारत सरकार एवं भारतीय रिज़र्व बैंक को उनके बहुमूल्य सहयोग एवं मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। शोयरधारकों ने हममें जो आस्था एवं विश्वास व्यक्त किया है उसके लिए मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। मैं अपने सभी ग्राहकों को उनके निरंतर सहयोग तथा समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं इस संस्था को निष्पादन के मामले में बुलंदियों तक पहुंचाने वाले अपने स्टॉफ सदस्यों की प्रशंसा करता हूँ तथा उनकी प्रतिबद्धता, समर्पण एवं मूल्यवान योगदान को अभिलेखित करता हूँ।

आपका

(बसंत सेठ)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : मणिपाल

दिनांक : 27-05-2011

AWARDS & ACCOLADES

During the year, the Bank received the National Award for outstanding performance in lending to Micro Enterprises from her Excellency Smt. Pratibha Devisingh Patil, President of India.

Andhra Pragathi Grameena Bank (sponsored by SyndicateBank) was selected by the A.P. Govt. as the Best Bank in the State in the field of agriculture financing.

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY (CSR)

As a part of its corporate social responsibility, the Bank has been undertaking activities aimed at economic transformation and uplift of the downtrodden. The Bank has donated funds liberally for varied social causes like the welfare of the serving policemen and their families, providing free medical facilities to the poor people and their children, providing education to the poor students in rural areas for a nominal fee, helping differently abled persons by providing artificial limbs/calipers/wheelchairs etc., providing gainful employment to the Tribals and setting up an integrated Health Care Centre for the common man.

THE ROAD AHEAD

The road ahead is full of challenges in the face of stiff competition among the existing players and possible entry of new players. Your Bank is fully equipped to meet these challenges and will confidently continue its onward march in the days ahead. Considering the importance of CASA in improving the bottom line, a growth of 15 per cent is planned during the next year. The Bank also intends to continue its proactive role in the area of Priority sector lending. The Bank is committed to promote inclusive growth in the country. To this end, it plans to open a number of Financial Inclusion branches in 2011-12. The strength of the Bank's large branch network, rural presence, state-of-the-art technology solutions and robust services will be fully leveraged in the days ahead to excel in our role of faithful and friendly financial partner to our customers.

ACKNOWLEDGEMENT

I take this opportunity to thank the members of the Board, the Government of India and the Reserve Bank of India for their valuable support and guidance. I thank all our shareholders for the confidence and faith they have reposed in us. I thank all our customers for their continued co-operation and support. I also place on record my appreciation of the dedicated and committed work put in by our staff members for taking this organization to greater heights of achievement and glory.

Finally, I thank all of you for attending this meeting.

With regards,

Yours sincerely

(Basant Seth)

Chairman & Managing Director

Place : Manipal

Date : 27-05-2011

वार्षिक आम बैठक/ANNUAL GENERAL MEETING

25 जून 2011 –मणिपाल/25th June 2011 –MANIPAL

घटनाओं का महत्वपूर्ण कैलेंडर/IMPORTANT CALENDAR OF EVENTS

वार्षिक रिपोर्ट भेजने की तारीख Mailing of Annual Reports	27-05-2011 से/to 28-05-2011
बहियों का समापन (दोनों दिवस शामिल हैं) Book Closure (Both days inclusive)	17-06-2011 से/to 25-06-2011
प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा नियुक्त प्रॉक्सी फार्म एवं संकल्प प्राप्त होने की अंतिम तिथि Last date for receipt of proxy forms and resolutions appointing authorized representatives	20-06-2011 (सोमवार/Monday)
वार्षिक आम बैठक की तारीख Date and time of Annual General Meeting	25-06-2011 (शनिवार) प्रातः 11.30 बजे / (Saturday) 11.30 a.m.

पंजीयक एवं शेयर अंतरण एजेंट

मेसर्स. कार्वी कम्प्यूटर शेयर (प्रा.) लिमिटेड
यूनिट : सिंडिकेटबैंक
प्लॉट सं. 17 से 24, विठ्ठलराव नगर
माधापुर, हैदराबाद 500081
दूरभाष: 040 44655000 - विस्तार:116
या 040 44655116 (सीधा)
फैक्स सं.: 040 23420814

Registrars & Share Transfer Agents:

M/s Karvy Computershare (P) Ltd.
Unit: SyndicateBank
Plot No. 17 to 24, Vithal Rao Nagar
Madhapur, Hyderabad 500081
Phone No. 040 44655000 – Extn.:116
or 040 44655116 (D)
Fax No. 040 23420814